ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-५७
दिनांक-शुक्रवार,१० अगस्त,२०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.३ एवं २६.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८३ सुबह में एवं दोपहर में ७२ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.३ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.४ एवं दोपहर में ३२.१ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में १.० मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

• मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(११ से १५ अगस्त, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ११ से १५ अगस्त,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- उत्तर बिहार के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की सक्रियता में थोड़ी वृद्धि हो सकती है। इस अवधि में मैदानी तथा तराई के जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३३ से ३५ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान २६ से २८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ४ से ६ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पूरवा हवा हालाकि १३-१४ अगस्त में पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की रोपाई यथाशीघ्र समाप्त कर लें। रोपे हुए धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें। अगात बोई गई धान की फसल में तना छेदक तथा पत्ती लपेटक (लीफ फोल्डर) कीट की निगरानी करें।
- खरीफ अरहर की बुआई समाप्त करें। २५ से ३० दिनों की फसल में निकौनी तथा छटनी करे। सितम्बर अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करे।
- खरीफ प्याज एवं मिर्च की रोपनी करें। प्याज के लिए पौधों की रोपाई १५ x१० से०मी० तथा मिर्च के लिए ५०x४५ से०मी० की दुरी पर करें। जीवाणु खाद से बिचड़ों का उपचार अवश्य करें।
- परवल की *राजेन्द्र परवल-१, राजेन्द्र परवल-२, एफ०पी०-१, एफ०पी०-३, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई०आई०भी०आर०-१* आदि किस्मों की रोपनी करें। बीज दर २५०० गुच्छियाँ प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी २ x २ मीटर रखें। परवल की रोपाई के लिए प्रति गड्ढ़ा कम्पोस्ट ३ से ५ किलो ग्राम, नीम या अंडी की खल्ली २५० ग्राम, एस०एस०पी० १०० ग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश २५ ग्राम एवं थिमेट १० से १५ ग्राम का व्यवहार करें। परवल के अच्छे फलन के लिए ५ प्रतिशत नर पौधे की रोपाई अवश्य करें।
- फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में *अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काशी कुवाँरी* एवं *अर्ली स्नोबॉल* किस्मों की बुआई नर्सरी में करें।
- फूलगोभी की अगात किस्में *कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली* की रोपाई समाप्त करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में १०-१५ किलो ग्राम बोरेक्स तथा १-२ किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। अगात रोपी गयी फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु स्पेनोसेड दवा एक मी०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- बरसाती सब्जियों में निकाई-गुड़ाई करें। सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। शुरुवाती रोक-थाम के लिए बैगन की रोपाई के १० दिनों बाद १ ग्राम फ्युराडान ३ जी० दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला दें। खड़ी फसल में दवा छिड़काव से पहले इस कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ इ०सी० दवा का १ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- फलदार पौधें का बगान लगाने का यह समय उत्तम चल रहा है। किसान भाई अपनी पसंद के अनुसार आम, लीची, ऑवला, अमरुद, कटहल, शरीफा, नींबु के श्वस्थ पौधों को अधिकृत नर्सरी से खरीद कर रोपनी करे। रोपाई के पहले, प्रति गड्ढ़ा ४० से ५० किलोग्राम गोबर का प्रयोग अवश्य करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.५ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः२७.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.० डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी